महसीर प्रजाति की मछली के संरक्षण को बढ़ा कदम

लखनऊ। सर्दियों का मौसम आते ही देश भर के मछुआरे एक साथ विभिन्न मछली कैंपों का रुख करते हैं ताकि वे देश की शक्तिशाली मछली महसीर के खिलाफ अपने दांव पेंच लगा सकें। महसीर एक लोकप्रिय खेल मछली है और मछुआरों के लिए खुशियों की सौगात है। हालांकि भारतीय नदियों की शेर कही जाने वाले यह मछली विलुप्त होने की कगार पर है।

इसके कई कारण हैंः प्राकृतिक आवास का नुकसान, मानवीय एवं औद्योगिक प्रदूषण की वजह से प्राकृतिक आवास की गुणवत्ता में गिरावट, प्रजनन स्थलों का नाश और नदी घाटी विकास परियोजनाओं का असर।

हालांकि टाटा पावर ने पिछले चार दशक में प्रजाति के संरक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाएं विकसित कर ली हैं। इसके जरिए लोनावला में हैचरी फार्म में प्रजनन, लार्वा सहेजने और सांस्कृतिक प्रक्रियाओं की तकनीकों के विकास में मदद मिली है जो अब महसीर की सभी इच्छित प्रजातियों के उत्पादन में सक्षम है। दिलचस्प बात है कि मानकीकृत प्रक्रियाओं को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों और जलाशयों के करीब महसीर हैचरियों की स्थापना की वृहद संभावनाएं हैं।